मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–022

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.-22 : संस्कृत वाङ्मय : प्रमुख वैज्ञानिक सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम एक ही भाषा हिन्दी* ***या*** *संस्कृत* ***या*** *अंग्रेजी हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* *3×20=60*

1. न्याय वैशेषिक दर्शन के अनुसार कार्य–कारण–भाव सम्बन्ध पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

2. पञ्चीकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

3. भास्कराचार्य द्वितीय के जीवन दर्शन का परिचय देते हुए लीलावती में प्राप्त गणितीय सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

4. भाषा विज्ञान के अंग का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. वाक्यार्थ बोध के साधन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

6. चुम्बक का परिचय देते हुए संस्कृत साहित्य में चुम्बक की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. क्षणिकवाद का संक्षिप्त परिचय देते हुए बुद्ध के अनित्यवाद का वर्णन कीजिए।

8. वैदिक गणित के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

9. पाकज उत्पत्ति सिद्धान्त का वर्णन करते हुए पीलुपाक एवं पिठरपाक सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

10. अर्थपरिवर्तन के कारण का वर्णन कीजिए।

11. नैयायिकों की दृष्टि में शाब्द-बोध का परिचय देते हुए शाब्द-बोध की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

12. अभिहितान्वयवाद एवं अन्विताभिधानवाद पर प्रकाश डालिए।

13. परमाणुवाद के सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

14. दृष्टि-विज्ञान की प्राचीन एवं आधुनिक अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×